Maharashtra Board Solutions for Class 8-Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 2- वारिस कौन?

For any clarifications or questions you can write to **info@indcareer.com**

Postal Address

IndCareer.com, 52, Shilpa Nagar, Somalwada Nagpur - 440015
Maharashtra, India

WhatsApp: +91 9561 204 888, **Website:** https://www.indcareer.com

https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-8-hindi-sulabhbharati-part-1-chapter-2-varis-kaun/

IndCareer

Maharashtra Board Solutions for Class 8- Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 2- वारिस कौन?

Class 8: Hindi Sulabhbharati Chapter 2 solutions. Complete Class 8 Hindi Sulabhbharati Chapter 2 Notes.

Maharashtra Board Solutions for Class 8- Hindi Sulabhbharati (Part 1): Chapter 2- वारिस कौन?

Maharashtra Board 8th Hindi Sulabhbharati Chapter 2, Class 8 Hindi Sulabhbharati Chapter 2 solutions

Questions and Answers

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कृति ग (१) आकलन कृति (१) परिणाम लिखिए।

Question 1.

पहली राजकुमारी को कड़ककर पूछने का परिणाम

Answer:

उसने सच्ची बात बता दी कि उसने दाने भंडार घर से लाए हैं।

Question 2.

दूसरी राजकुमारी का संदूकची में दाने रखने का परिणाम

Answer:

दाने सड़ गए थे। स्वाध्याय विषयक कृतियाँ

उचित घटनाक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए।

Question 1.

सभी के उत्तर से राजा को बड़ी निराशा हुई।

Answer:

अंत में उसे एक उपाय सूझ गया।

Question 2.

रथ एक बड़े-से हरे-भरे खेत के सामने रुक गया।

Answer:

सभी के उत्तर से राजा को बड़ी निराशा हुई।

Question 3.

राजा ने हैरानी से राजकुमारी की ओर देखा।

Answer:

रथ एक बड़े-से हरे-भरे खेत के सामने रुक गया।

Question 4.

अंत में उसे एक उपाय सूझ गया।

Answer:

राजा ने हैरानी से राजकुमारी की ओर देखा।

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।

Question 1.

जरूर इसके पीछे कोई ………….. होगा। (उद्देश्य / हेतु / मकसद)

Answer:

जरूर इसके पीछे कोई मकसद होगा।

Question 2.

सो मैं उन्हें …………. खा गई। (भिगोकर / भुनवाकर / पकाकर)

Answer:

सो मैं उन्हें भुनवाकर खा गई।

Question 3.

तुम ही मेरे राज्य की सच्ची …………… हो। (रानी / युवराज्ञी / उत्तरधिकारी)

Answer:

तुम ही मेरे राज्य की सच्ची उत्तरधिकारी हो।

Question 4.

इसे तुम अपने पास रखो …….. साल बाद मैं उन्हें माँगूंगा। (चार / सात / पाँच)

Answer:

इसे तुम अपने पास रखो पाँच साल बाद मैं उन्हें माँगूंगा। .

परिणाम लिखिए।

Question 1.

गेहूँ के दानों को बोने का परिणाम

Answer:

समय पर अंकुर फुटना। पौधे तयार होना। दाने निकलना।

Question 2.

पहली राजकुमारी को कड़ककर पूछने का परिणाम

Answer:

उसने सच्ची बात बता दी कि उसने दाने भंडार घर से लाए हैं।

Question 3.

दूसरी राजकुमारी का संदूकची में दाने रखने का परिणाम

Answer:

दाने सड़ गए थे।

Question 4.

सभी के उत्तर सुनकर राजा पर हुआ परिणाम

Answer:

राजा को बड़ी निराशा हुई।

भाषाबिंदु

रचना के आधार पर विभिन्न प्रकार के तीन-तीन वाक्य पाठों से ढूँढकर लिखिए।

(१) सरल वाक्य

- वह सोचने लगा।
- उसके चार बेटियाँ थीं।
- इसे तुम अपने पास रखो।

(२) संयुक्त वाक्य

- उसने दानों को भुनवाकर खा डाला और खेल में मग्न हो गई।
- बड़ी राजकुमारी भंडार घर जाकर गेहूँ के दाने ले आई और राजा को दे दिए।
- सभी को गेहूँ के सौ-सौ दाने दिए और का, "इसे तुम अपने पास रखो।"

मिश्र वाक्य:

- पाँच साल बाद जब मैं इन्हें मालूंगा; तब सब मुझे वापस कर देना।
- राजा ने सोचा कि इन चारों में से जो सबसे बुद्धिमती होगी, उसे ही अपना राजपाट सौंपेगा।
- पाँच साल बाद जब पिता जी ये दाने माँगेंगे; तब उन्हें वापस कर दूंगी।

निम्नलिखित वाक्यों में सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए।

Question 1.

रथ आते ही राजा उस पर सवार हो गया।

(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

Answer:

राजा का रथ आया और वह उस पर सवार हो गया।

Question 2.

राजा का रथ आया और वह उस पर सवार हो गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

Answer:

उन्ना जैसे ही राजा का रथ आ गया; वैसे ही वह उस पर सवार हो गया।

निम्नलिखित रेखांकित विकारी शब्दों के भेद पहचानिए।

Question 1.

एक राजा था।

Answer:

एक : संख्यावाचक विशेषण

Question 2.

इसे तुम अपने पास रखो।

Answer:

उन्ता : तुम : पुरुषवाचक सर्वनाम

Question 3.

राजा ने अपनी बेटियों को गेहूँ के दाने दिए।

Answer:

गेहूँ : द्रव्यवाचक संज्ञा

Question 4.

राजा ने चारों बहनों को बुलाया।

Answer:

बुलाया : क्रिया

स्वयं अध्ययन

बीरबल की बौद्धिक चतुराई की कहानी के मुद्दों का फोल्डर बनाकर – कहानी प्रस्तुत करो।

उत्तर लिखो:

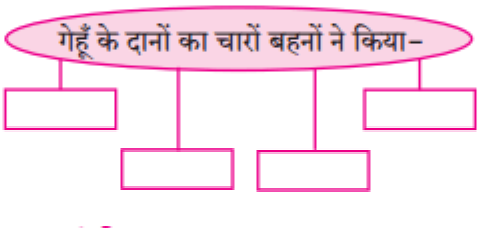

Answer:

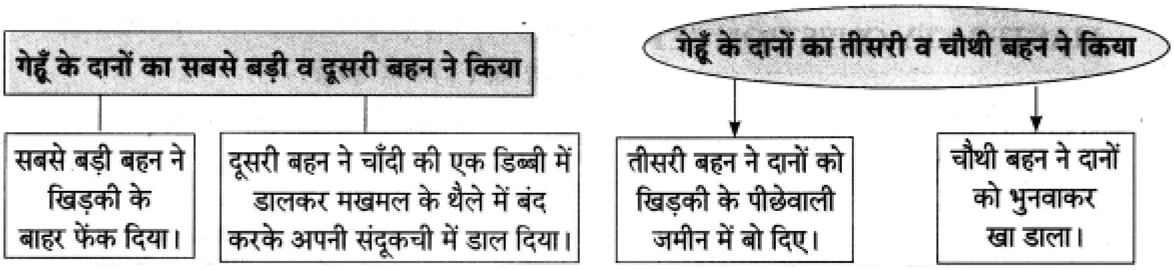

Additional Important Questions and Answers

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कृति क (१) आकलन कृति

समझकर लिखिए।

Answer:

कृति अ (२) आकलन कृति

उपर्युक्त गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्नलिखित शब्द हों

Question 1.

पाँच

Answer:

राजा अपनी बेटियों से कितने साल बाद गेहूँ के दानों की मांग करने वाला था?

Question 2.

बुद्धिमती

Answer:

राजा के अनुसार राजपाट संभालने के लिए बेटियों के पास कौन-सा गुण होना आवश्यक है?

निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य लिखिए।

Question 1.

दूसरी बहन पाँच साल बाद दानों को भंडार से लेकर राजा को देने वाली थी।

Answer:

असत्य

राजा की चार बेटियाँ थीं।

Answer:

सत्य

कृति क (३) शब्द संपदा

मानक वर्तनी के अनुसार शब्द शुद्ध कीजिए।

1. भण्डार
2. गेहूं

Answer:

https://www.indcareer.com/schools/maharashtra-board-solutions-for-class-8-hindi-sulabhbharati-part-1-chapter-2-varis-kaun/

IndCareer

1. भंडार
2. गेहूँ

लिंग बदलिए।

1. बुद्धिमती
2. राजा

Answer:

1. बुद्धिमान
2. रानी

वचन बदलिए।

1. बेटियाँ
2. कमरा

Answer:

1. बेटी
2. कमरे

नीचे दिए हुए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

1. चाँदी
2. फैसला

Answer:

1. रजत
2. निर्णय

Question 1.

परिच्छेद में आए युग्म-शब्द लिखिए।

Answer:

सौ-सौ , अपने-अपने

कृति क *(४)* स्वमत अभिव्यक्ति

Question 1.

'बुद्धिमान या बुद्धिमती होना बेहद जरूरी होता है।' इस कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

Answer:

जी हाँ, बुद्धिमान या बुद्धिमती होना बेहद जरूरी होता है। यह इंसान का व्यक्तित्व अधिक आकर्षक बना देता है। बुद्धिमान या बुद्धिमती होना, यह एक आवश्यक गुण है। जिस इंसान के पास यह गुण होता है, वह सर्वत्र पूजनीय होता है। सभी ऐसे व्यक्ति की प्रशंसा करते हैं। कवि रवींद्रनाथ टैगोर, सरोजिनी नायडू, डॉ. सी. व्ही. रामन व डॉ. अब्दुल कलाम आदि बुद्धिमान थे। अपने इस बुद्धि व विवेक के कारण ही वे समाज में वंदनीय हो गए। इसलिए यदि जीवन में हमें प्रगति करनी है, तो बुद्धिमान या बुद्धिमती होने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। कह्य भी गया है कि विवेकी पुरुष की हर जगह पूजा की जाती है।

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कृति ख (१) आकलन कृति

किसने, किससे कहा?

Question 1.

कहाँ हैं वे दाने**?**

Answer:

राजा ने अपनी चार बेटियों से कहा।

निम्नलिखित गलत वाक्य सही करके लिखिए।

Question 1.

शरारतें करना तीसरी बहन को बहुत पसंद था।

Answer:

शरारतें करना चौथी बहन को बहुत पसंद था।

Question 2.

बड़ी राजकुमारी खेत में जाकर गेहूँ के दाने लेकर आई।

Answer:

बड़ी राजकुमारी भंडार घर में जाकर गेहूँ के दाने लेकर आईं।

उचित घटनाक्रम लगाकर वाक्य फिर से लिखिए।

1. दाने निकले।
2. दाने बो दिए।
3. पौधे तैयार हुए।
4. समय पर अंकुर फूटे।

Answer:

1. दाने बो दिए।
2. समय पर अंकुर फूटे।
3. पौधे तैयार हुए।
4. दाने निकले।

कृति ख *(३)* शब्द संपदा

गद्यांश में से शब्द-युग्म लिखिए।

Answer:

दो-तीन

सौ-सौ

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

Question 1.

राजा की बेटी

Answer:

राजकुमारी

Question 2.

वह कक्ष जहाँ पर खाने-पीने की सामग्री रखी जाती है

Answer:

भंडार घर

विलोम शब्द लिखिए।

1. समय x
2. बहुत x

Answer:

1. समय x असमय
2. बहुत x कम

निम्नलिखित शब्द से उपसर्ग अलग कीजिए।

1. सुरक्षा
2. नापसंद

Answer:

1. उपसर्ग : सु
2. उपसर्ग : ना

निम्नलिखित शब्द से प्रत्यय अलग कीजिए।

1. पीछेवाली
2. सहेजकर

Answer:

1. प्रत्यय : वाली
2. प्रत्यय : कर

कृति ख (४) स्वमत अभिव्यक्ति

Question 1.

'समझदारी से काम करना लाभदायक होता है। कथन के संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

Answer:

समझदारी को सामान्य भाषा में अक्लमंदी कहते हैं। समझदारी काअर्थ है दूर की सोचना । जैसी स्थिति है उसी प्रकार निर्णय लेना व कृति करना। जिस व्यक्ति के पास समझदारी होती है, उसका भविष्य उज्ज्वल होता है। समझदार व्यक्ति प्रत्येक परिस्थिति व समस्या का अत्यंत सावधानीपूर्वक तरीके से समाधान प्राप्त करते है। दुनिया में ऐसे कई उदाहरण हैं कि जिन्होंने समझदारी से काम करके स्वयं का उदधार किया और साथ में दूसरों पर भी उपकार किया आचार्य चाणक्य ने समझदारी से काम करके चंद्रगुप्त को राजा बनाया था। छत्रपति शिवाजी महाराज ने भी समझदारी से काम करके मुगलों को मुंहतोड़ जवाब दिया था। इसलिए जीवन में समझदारी आवश्यक होती है। व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास में समझदारी का महत्त्वपूर्ण स्थान है।

कृति ग (२) आकलन कृति

किसने, किससे कहा?

Question 1.

तुमने क्या किया उन दानों का?

Answer:

राजा ने तीसरी राजकुमारी से पूछा।

Question 2.

तुम्हारे दाने कहाँ हैं?

Answer:

राजा ने दूसरी राजकुमारी से पूछा।

सही विकल्प चुनकर वाक्य फिर से लिखिए।

Question 1.

मुझे ” के भुने हुए दाने बहुत अच्छे लगते हैं। (चावल, गेहूं, बाजरा)

Answer:

मुझे गेहूं के भुने हुए दाने बहुत अच्छे लगते हैं।

Question 2.

दूसरी राजकुमारी ने दाने मखमल के खोलवाली डिब्बी में …रखे थे। (सहेजकर, सँभालकर, डालकर)

Answer:

दूसरी राजकुमारी ने दाने मखमल के खोलवाली डिब्बी में सहेजकर रखे थे।

कृति ग (३) शब्द संपदा

निम्नलिखित शब्दों में उचित प्रत्यय लगाइए।

1. अच्छा
2. सच्चा

Answer:

1. अच्छाई
2. सच्चाई

लिंग बदलिए।

1. राजकुमारी
2. राजा

Answer:

1. राजकुमार
2. रानी

वचन बदलिए।

1. डिब्बी
2. दाना

Answer:

1. डिब्बियाँ
2. दाने कृति ग

स्वमत अभिव्यक्ति

Question 1.

चारों राजकुमारी में से किस राजकुमारी का जवाब आपको अच्छा लगा और क्यों?

Answer:

चारों राजकुमारी में से तीसरी राजकुमारी का जवाब मुझे अच्छा लगा क्योंकि उसके जवाब में थोड़ी उम्मीद थी। वह राजा को सवाल का जवाब पाने के लिए कहीं लेकर जाने वाली थी। पहली राजकुमारी भंडार घर से दाने लेकर आई थी। दूसरी राजकुमारी ने मखमल के खोलवाली डिब्बी में दाने सहेजकर रखा था और चौथी राजकुमारी गेहूँ के दाने भुनवाकर खाए थे। सिर्फ तीसरी राजकुमारी राजा को उन दानों का रहस्य जानने के लिए किसी अपरिचित स्थान पर लेकर जाने वाली थी। अतः उससे ही कुछ उम्मीद की जा सकती थी।

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

कृति घ (१) आकलन कृति

निम्नलिखित गलत वाक्य सही करके फिर से लिखिए।

Question 1.

राजा घोड़े पर सवार हो गया।

Answer:

राजा रथ पर सवार हो गया।

Question 2.

राजा ने चारों राजकुमारी को गले लगा लिया।

Answer:

राजा ने तीसरी राजकुमारी को गले लगा लिया।

उपर्युक्त गद्यांश से ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके निम्नलिखित शब्द हों –

1. गेहूँ
2. बालियाँ ।

Answer:

1. फसल कौन-से अनाज की थी?
2. हवा में क्या झूम रही थी?

कृति घ (२) आकलन कृति

Question 1.

कृति पूर्ण कीजिए।

Answer:

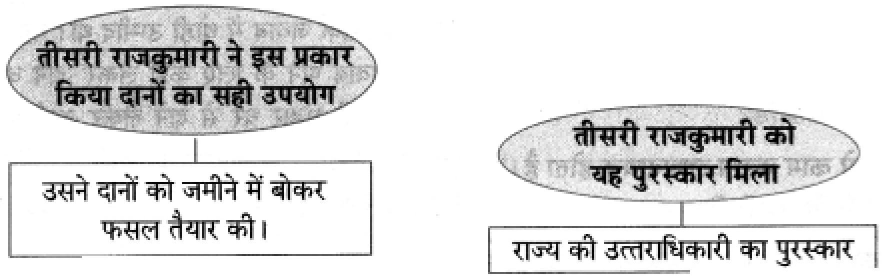

Question 2.

गेहूं की फसल देखने का परिणाम

Answer:

राजा ने अपनी तीसरी बेटी को गले लगा लिया और उसे राज्य का उत्तराधिकारी घोषित कर दिया।

कृति घ *(३)* शब्द संपदा

विलोम शब्द लिखिए।

1. नगर x
2. पास x

Answer:

1. नगर x गाँव
2. पास x दूर

समानार्थी शब्द लिखिए।

1. राजा
2. हवा

Answer:

1. नृप
2. वायु

तत्सम शब्द लिखिए।

1. पिता
2. राजा

Answer:

1. पितृ
2. राजन

कृति घ *(४)* स्वमत अभिव्यक्ति

Question 1.

क्या राजा का निर्णय सही था? यदि हाँ, तो क्यों? – अपने विचार लिखिए।

Answer:

हाँ, राजा का निर्णय सही था। उसने अपने राज्य के उत्तराधिकारी के तौर पर अपनी तीसरी बेटी का चयन किया, यह राजा का सही निर्णय था। राजा की तीसरी बेटी ने सौ गेहूँ के दानों को मिट्टी मे बो दिए थे। अब वे सौ दाने लाख-लाख दानों के रूप में खेत में झूम रहे थे। राजा की तीसरी बेटी चीजों का सही उपयोग करना जानती थी। उसके पास अक्लमंदी व समझदारी थी। उसके इस गुणों को राजा ने परखा। इसलिए वह भलीभांति जानते थे कि भविष्य में वह राज्य को ठीक से चला सकती है। इसी कारण उसने अपनी तीसरी बेटी को राज्य के उत्तराधिकारी के तौर पर चयनित किया।

Maharashtra Board Solutions Class 8 Hindi Sulabhbharati

Part 1

- Chapter 1- हे मातृभूमि!
- Chapter 2- वारिस कौन?
- Chapter 3- नाखून क्यों बढ़ते हैं?
- Chapter 4- गाँव-शहर
- Chapter 5- मधुबन
- Chapter 6- जरा प्यार से बोलना सीख लीज
- Chapter 7- मेरे रजा साहब
- Chapter 8- पूर्ण विश्राम
- Chapter 9- अनमोल वाणी

Part 2

- Chapter 1- धरती का आँगन महके
- Chapter 2- दो लघुकथाएँ
- Chapter 3- लकड़हारा और वन
- Chapter 4- सौहार्द -सौमनस्य
- Chapter 5- खेती से आई तब्दीलियाँ
- Chapter 6- अंधायुग
- Chapter 7- स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है
- Chapter 8- मेरा विद्रोह
- Chapter 9- नहीं कुछ इससे बढ़कर

About About Maharashtra State Board (MSBSHSE)

The Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education or MSBSHSE (Marathi: महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक आणि उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडळ), is an **autonomous and statutory body established in 1965**. The board was amended in the year 1977 under the provisions of the Maharashtra Act No. 41 of 1965.

The Maharashtra State Board of Secondary & Higher Secondary Education (MSBSHSE), Pune is an independent body of the Maharashtra Government. There are more than 1.4 million students that appear in the examination every year. The Maha State Board conducts the board examination twice a year. This board conducts the examination for SSC and HSC.

The Maharashtra government established the Maharashtra State Bureau of Textbook Production and Curriculum Research, also commonly referred to as Ebalbharati, in 1967 to take up the responsibility of providing quality textbooks to students from all classes studying under the Maharashtra State Board. MSBHSE prepares and updates the curriculum to provide holistic development for students. It is designed to tackle the difficulty in understanding the concepts with simple language with simple illustrations. Every year around 10 lakh students are enrolled in schools that are affiliated with the Maharashtra State Board.

FAQs

Where do I get the Maharashtra State Board Books PDF For free download?

You can download the Maharashtra State Board Books from the eBalbharti official website, i.e. cart.ebalbharati.in or from this article.

Add image

How to Download Maharashtra State Board Books?

Students can get the Maharashtra Books for primary, secondary, and senior secondary classes from here. You can view or download the Maharashtra State Board Books from this page or from the official website for free of cost. Students can follow the detailed steps below to visit the official website and download the e-books for all subjects or a specific subject in different mediums.

Step 1: Visit the official website *ebalbharati.in*

Step 2: On the top of the screen, select "Download PDF textbooks"

Step 3: From the "Classes" section, select your class.

Step 4: From "Medium", select the medium suitable to you.

Step 5: All Maharashtra board books for class 11th will now be displayed on the right side.

Step 6: Click on the "Download" option to download the PDF book.

Who developed the Maharashtra State board books?

As of now, the MSCERT and Balbharti are responsible for the syllabus and textbooks of Classes 1 to 8, while Classes 9 and 10 are under the Maharashtra State Board of Secondary and Higher Secondary Education (MSBSHSE).

How many state boards are there in Maharashtra?

The Maharashtra State Board of Secondary & Higher Secondary Education, conducts the HSC and SSC Examinations in the state of Maharashtra through its nine Divisional Boards located at Pune, Mumbai, Aurangabad, Nasik, Kolhapur, Amravati, Latur, Nagpur and Ratnagiri.

About IndCareer

IndCareer.com is a leading developer of online career guidance resources for the Indian marketplace. Established in 2007, IndCareer.com is currently used by over thousands of institutions across India, including schools, employment agencies, libraries, colleges and universities.

IndCareer.com is designed to assist you in making the right career decision - a decision that meets your unique interests and personality.

For any clarifications or questions you can write to **info@indcareer.com**

Postal Address

IndCareer.com

52, Shilpa Nagar,

Somalwada

Nagpur - 440015

Maharashtra, India

WhatsApp: +91 9561 204 888

Website: https://www.indcareer.com